Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In Mar 2019

जीजेयू के चार स्टूडेंट्स का कोटेक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में चयन

हिसार | जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के चार विद्यार्थियों को दिल्ली स्थित कोटेक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में चुना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित छात्रों को बधाई दी। कम्पनी की ओर से एचआर हैड दीप्ति पंजाबी, डिप्टी बाइस प्रेजिडेंट रमेश मेहता व क्षेत्रीय प्रबंधक रवि भुटानी ने प्लेसमेंट ड्राइव का संचालन किया। ड्राइव में विश्वविद्यालय के 47 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कम्पनी के अधिकारियों द्वारा दिए गए प्री-प्लेसमेंट टॉक के बाद विद्यार्थियों का ऑनलाइन टेस्ट और व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया गया।

दैनिक भास्कर-1/3/19

जीजेयू ने अभियान के तहत गोद लिए छह गांव ग्रामीणों को एंटरप्रन्योर बनने की ट्रेनिंग देंगे छात्र

एमएचआरडी अभियान से जुड़ने को जीजेयू में 150 स्टूडेंट्स ने किए आवेदन

सुभाष चंद्र | हिसार

ग्रामीण अंचल के युवा भी अब शहरी युवाओं की तरह एंटरप्रन्योर बन सकेंगे। यह सब संभव होगा एमएचआरडी के उन्नत भारत अभियान से। इस अभियान में ग्रामीणों के विकास के लिए कार्य किए जाते हैं। एमएचआरडी ने इसके लिए शिक्षण संस्थानों को साथ जोड़ा है, जिनके साथ विभिन्न कंपनियां शिक्षण संस्थानों से टाइअप कर स्टूडेंट्स को विभिन्न स्किल्स की ट्रेनिंग देती है। ट्रेनिंग लेने के बाद स्टूडेंट्स शिक्षण संस्थानों द्वारा गोद लिए गांवों में विकास कार्य करते हैं। इसी कड़ी में जीजेयू ने जिले के ग्रामीणों को एंटरप्रन्योर बनाने के लिए छह गांवों को गोद लिया है। जीजेयू ने स्टूडेंट्स से 25 फरवरी तक स्टूडेंट्स के आवेदन मांगे थे।

उन्नत भारत योजना ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए है। इसे मानव संसाधन मंत्रालय विकास ने लॉन्च किया था। योजना के अनुसार देश के बड़े शिक्षण संस्थानों के ज्ञान व साधनों का उपयोग किया जाएगा। इससे देश के विकास में गांव भी भागीदार बन सकेंगे। योजना के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर, समस्याओं व आवश्यकताओं के बारे में अध्ययन किया जाता है और इन समस्याओं के समाधान के तरीके भी सुझाए जाते हैं।

स्किल्स इंडिया लि. की ओर से मिलेगी ट्रेनिंग

जीजेयू के स्टूडेंट्स को सेंटम वर्क स्किल्स इंडिया लिमिटेड की ओर से स्टूडेंट्स को ग्रामीणों के जीवन स्तर को किस प्रकार बढ़ाए, वो किस तरह के रोजगार शुरू कर सकते हैं। कम लागत वाले काम जिन्हें कम पूंजी लगाकर शुरू किया जा सके। ऐसे कार्यों के बारे में स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग दी जाएगी।

स्टूडेंट्स इन कार्यों की देंगे ट्रेनिंग

- कम लागत में शुरू किए जाने वाले कार्य जिनसे अच्छी इनकम हासिल की जा सकती है।
- ग्रामीणों को डेयरी उत्पाद बनाने व उनकी इकाई स्थापित करने की जानकारी।
- ग्रामीणों की सभी प्रकार की समस्याओं की जानकारी लेने बारे।
- ग्रामीणों को आधुनिक सुविधाओं के बारे में जानकारी देना।
- इंटरनेट, कंप्यूटर व सोशल मीडिया से ग्रामीणों को जोड़ना।

योजना के प्रमुख लक्ष्य

- उच्च शिक्षण संस्थानों के टीचर व स्टूडेंट्स द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए नवीन तकनीकों का उपयोग करना।

उन्नत भारत अभियान के तहत जीजेयू ने 25 फरवरी तक आवेदन मांगे थे। इसमें विभिन्न कोर्सेस के 150 स्टूडेंट्स ने अवेदना किया है। ये स्टूडेंट्स गांव में घर-घर जाकर युवाओं को रोजगार शुरू करने के लिए प्रेरित करेंगे। - अनिल कुमार पुंडीर, रजिस्ट्रार, जीजेयू।

इन गांवों में देंगे ट्रेनिंग

- आर्य नगर
- तलवंडी राणा
- मिर्जापुर
- नंगथला

दैनिक भास्कर-1/3/19

कुलपति ने तीन माह के कोर्स का किया शुभारंभ

दैनिक जागरण-2/3/19

मुरथल विवि के छात्रों का कमाल

बैटरी से चलने वाली हाइब्रिड कार बनाई

प्रतियोगिता में ले चुकी है भाग

दैनिक हिन्दुस्तान-2/3/19

जीजेयू में आयोजित हुई तीसरी एलुमिनाई मीट, कई क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले चार एलुमिनाई को दिया गया प्राइड ऑफ यूनिवर्सिटी

यादों के साथ कैमिस्ट्री ऑफ ड्रीम यानि बड़े सपनों को पूरा करने के मंत्रा हुए शेयर

डॉ. प्रदीप | 2004

सिटी रिपोर्टर [illegible]

सारी यूनिवर्सिटी से रिजेक्ट हुआ तो यहां से एंट्री की है

[illegible]

सक्सेस का मंत्रा है क्लियर्टी इन थॉट और एफर्टः कमिश्नर यादव

[illegible]

मैथ में हो गया था फेल सिद्दत ने दिलाया प्राइड

[illegible]

अगले वर्ष यूनिवर्सिटी में मनेगा रजत जयंती समारोह

[illegible]

दैनिक भास्कर- 3/3/19

हिसार। प्लेसमेंट ड्राइव में चयनित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गुजवि के आठ विद्यार्थियों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

■ ऑन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 30 विद्यार्थियों ने लिया भाग

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित ऑन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बरवाना स्थित आईओएल केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड कम्पनी में आठ विद्यार्थियों का चयन हुआ है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि आईओएल केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड कम्पनी रसायन और थोक ड्रग्स का एक प्रमुख उत्पादक है। ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के कमेस्ट्री विभाग के बीएससी व एमएससी के 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कम्पनी के एचआर मुख्य प्रबंधक पुनीत टकनैत व वैज्ञानिक डा. सचिन ने ड्राइव का संचालन किया। ड्राइव में प्री-प्लेसमेंट टॉक के बाद ऑनलाइन टेस्ट तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार आयोजित किया गया। मलिक ने बताया कि सैल द्वारा पिछले वर्ष भी कम्पनी के साथ प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया था। चयनित विद्यार्थियों में विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए बीएससी कमेस्ट्री के पहले बैच के चार विद्यार्थी शामिल है।

सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि कमेस्ट्री विभाग के बीएससी के नमन कुमार, रमन, तनिष कुमार व राहुल तथा एमएससी के प्रिंस, सुमित, ऋषि राम तथा रमन सोनी का ट्रेनी केमिस्ट के पद पर चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थी को 2.7 लाख [illegible] 3.3 लाख के प्रारंभिक वार्षिक पैके[illegible] मिला है जो जून 2019 में ज्वा[illegible] करेंगे। मलिक ने कमेस्ट्री विभाग अध्यक्ष प्रो. जेबी दहिया एवं वि[illegible] की प्लेसमेंट कोर्डिनेटर डॉ. ज[illegible] व डॉ. लोकेश का विद्यार्थि[illegible] प्रोत्साहित करने पर आभार ज[illegible]

हरिभूमि - 5/3/19

कार्यशाला • जीजेयू में जिनोम मेनीपुलेशन, एडिटिंग एंड इंटरफेस वाय वीआईजीएस, सीआरआईएसपीआर एंड आरएनएआई विषय पर होगा मंथन

स्नैपड्रेगन और पिटुनिया पौधों के फूलों की सुगंध बचाएगी फसलों को कीटों से, नहीं छिड़कने पड़ेंगे पेस्टीसाइड

जिनोम एडिटिंग से पशुओं के जीन बदलकर दूध में बढ़ा सकते हैं फैट : प्रो. मारकोस

विभिन्न फसलों के बीच में लगा सकते हैं पौधे

पेस्टीसाइड पर नहीं करना पड़ेगा खर्च : प्रो. मारकोस

पेस्टीसाइड न डालने से स्वास्थ्य भी बना रहेगा

जीनोम इंजीनियरिंग से कैंसर का हो सकता है निदान : छोकर

जेनेटिक इंजीनियरिंग समाज के लिए लाभदायक : प्रो. टंकेश्वर

उच्चस्तरीय विदेशी विशेषज्ञ से होगी ट्रेनिंग

85 शोधार्थी ले रहे हिस्सा

दैनिक भास्कर - 6/3/19

ऑल इंडिया सर्कल स्टाइल कबड्डी में महिला वर्ग में जीजेयू की टीम विजेता रही

हिसार/सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स कौंसिल की ओर से तीन दिवसीय आल इंडिया सर्किल स्टाइल कबड्डी फॉर मेन एंड वीमेन टूर्नामेंट का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विजय कुमार कायत द्वारा किया गया।

महिला वर्ग : दूसरा मैच सीआरएसयू जींद और सीसीएसयू मेरठ के बीच खेला गया। जिसमें जींद की टीम ने 13 प्वाइंट व सीसीएसयू मेरठ की टीम ने 4 प्वाइंट प्राप्त किए। तीसरा मैच गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय हिसार व राजीव गांधी यूनिवर्सिटी भोपाल के बीच खेला गया। जिसमें जीजेयू हिसार की टीम 24 प्वाइंट और राजीव गांधी यूनिवर्सिटी भोपाल की टीम को 12 प्वाइंट मिले। विजेता जीजेयू हिसार रही।

पुरुष वर्ग : पहला कबड्डी मैच सीआरएसयू जींद और गुरु काशी यूनिवर्सिटी तलवंडी साबो के खिलाड़ियों के बीच खेल कबड्डी मैच में सीआरएसयू जींद की टीम को 34 प्वाइंट व गुरु काशी यूनिवर्सिटी तलवंडी साबो की टीम को 12 प्वाइंट मिले। विजेता सीआरएसयू रही। दूसरा मैच राजीव गांधी यूनिवर्सिटी भोपाल के टीम बांबे यूनिवर्सिटी के बीच हुआ जिसमें भोपाल की टीम को 22 प्वाइंट और बांबे की टीम को 20 प्वाइंट से संतोष करना पड़ा। विजेता भोपाल की टीम रही। इसके बाद चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ और तांत्या यूनिवर्सिटी राजस्थान के बीच हुए चौथे मुकाबले में मेरठ की टीम ने 30 प्वाइंट व राजस्थान की टीम ने 12 प्वाइंट प्राप्त किए। विजेता मेरठ यूनिवर्सिटी रही।

एप्टीट्यूट टेस्ट में योगिता प्रथम और रोशन द्वितीय

जीजेयू के ट्रेनिंग ऐंड प्लेसमेंट सेल ने आयोजित किया व्यक्तित्व विकास पर कार्यक्रम

जीजेयू में प्रमाण पत्रों के साथ विद्यार्थी। - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित 15 दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (उद्‌भावना) बुधवार को संपन्न हुआ। समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में विद्यार्थियों को संचार कौशल, समूह चर्चा, अभिवृत्ति परीक्षण व व्यक्तिगत साक्षात्कार, बॉयोडाटा मेकिंग व ई-मेल एटिकेट्स आदि का प्रशिक्षण दिया गया। सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में सीएसई, आईटी, एमई, एमसीए, बी फार्मा, बीएससी, बीपीटी, फूड टेक्नालॉजी, ईसीई, बीएमई व प्रिंटिंग विभाग के 190 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान हुए एप्टीट्यूट टेस्ट में सीएसई विभाग की योगिता ने पहला स्थान व रोशन ने दूसरा स्थान पाया। वहीं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विशाल पोखराल तीसरे स्थान व बीएससी बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग की नंदिनी चौथे स्थान पर रही। इस मौके पर मुख्य प्रशिक्षक दुष्यंत वर्मा व अंजनी गुप्ता भी उपस्थित रहे।

अमर उजाला - 7/3/19

आंतरिक मूल्यांकन टॉपर सम्मान समारोह में वीसी प्रो. टंकेश्वर ने कहा

नए अंदाज में समस्याओं का समाधान तलाशना बुद्धिमता

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए अंदाज में समस्याओं का समाधान तलाशना बुद्धिमता है। आज हमारे पास एक समस्या के समाधान के लिए अनेक विकल्प मौजूद हैं, लेकिन आपको एक नया और ऐसा विकल्प तैयार करना है जो अन्य विकल्पों से बेहतर है। प्रो. टंकेश्वर कुमार परीक्षा विंग के सौजन्य से आयोजित आंतरिक मूल्यांकन टॉपर सम्मान समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने की।

- बेहतर समस्या निदान के लिए सबसे बेहतर विकल्प तैयार करें

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने आन्तरिक मूल्यांकन अंकों के टॉपर्स अप्लाइड साइकोलोजी विभाग की समारिका दलाल, वर्तिका व सुनीता कुमारी मान, बायो एंड नेनो टैक्नोलोजी विभाग की रवीना, रितुराज हंस, अंजना, नमिता गर्ग, हिमानी कौशिक, सुमेधु, पूनिका, विशाल खटक व आरती को सम्मानित किया गया। कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की मोनू देवी, गुरप्रीत कौर, मनीष, प्रियंका, किरण, नीरज रानी, रश्मी गर्ग, नितिन बंसल, रजत शर्मा, रोहन, उषा कुमारी, रमनदीप कौर, अंकित प्रेमर, अतुल गर्ग व नेन्सी को सम्मानित किया गया। केमिस्ट्री विभाग की निम्मन, उषा रानी, प्रीति, रम्भावी कौशिक, कावी व मानसी तथा इन्वायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की सोनिया रानी, निशिता ज्याखल, गौरव, मोनिका यादव, पवन कुमार व प्रवीन पुनिया को सम्मानित किया गया।

इलैक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग की अनु कुमारी, इशिता, खुशी, रेणुका पुनिया, ज्योत्सना कलोत्रा, मेघा शिवर व हरिन्द्र सिंह, फूड टैक्नोलोजी विभाग की निकिता यादव, मुस्कान, चंचल, शाह, महेन्द्र, राहुल, शिवानी व सागर यादव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अक्षय कुमार, रितु कुमारी, मानसी, रोशन कुमार मिश्र, प्रवीन, प्रमोद छाग, फिजिक्स विभाग की सौमिका यादव, अन्नपा, नवीन, राहुल, रोहन जैन व अंकित को सम्मानित किया गया।

फार्मास्युटिकल साइंसिस विभाग की निशा सैनी, पवन यादव, सुमन आचार्य, तुषार, अनु शर्मा, मनीष सिंह, नेहा सेनानी, अजय कुमार, प्रीति चौहान व प्रदीप कुमार तथा फिजियोथैरेपी विभाग के मुदित यादव, ईशान, निशीत, प्रिया, भारती, हिमान, विधु भाद्वाज, विनित, अमित, प्रियंका, मनोज, मोनिका तथा सचिन को सम्मानित किया गया। मैथमेटिक्स विभाग के सुमेश, शर्मिला देवी, सोनम, प्रीति मित्तल तथा पंकज तथा इकोनोमिक्स विभाग की प्रिया को सम्मानित किया गया।

कम्युनिकेशन मैनेजमेंट एंड टेक्नोलोजी विभाग के मनीष कुमार पांडेय, सुमन लता निशा, प्रिंटिंग टेक्नोलोजी विभाग की राखी शर्मा, विशाल शर्मा, विकास कुमार, विशाल सक्सेना, हिमांशु, आकाश, साक्षी आर्य व स्मृति कुमारी सिंह व हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की नीतू, अंजली, निधि खट्टर, अनु, किरण चौधरी, पुनीत कुकरेजा, ओंकार, प्रिया सेलवन, आकांक्षा झिंदई, रिंकी बंसल, पुनम डांडा, आकांक्षा शर्मा, मैसी तथा उमा मेहरा को सम्मानित किया गया।

हिसार। आंतरिक मूल्यांकन टॉपर्स को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि - 7/3/19

जीजेयू के प्रोफेसर आर बास्कर को मिला सम्मान

हिसार। इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोलॉजिकल साइंसेज-कमीशन ऑन जियोसाइंस एजूकेशन एवं इंटरनेशनल जियो साइंस एजूकेशन ऑर्गनाइजेशन ने गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. आर बास्कर को भारत में जियोसाइंस एजूकेशन फील्ड ऑफिसर के सम्मानित पद के लिए आमंत्रित किया है। वे अप्रैल में वियना में होने वाले ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने प्रो. भास्कर को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। प्रो. बास्कर विद्यालयों के उन शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे जिनके पाठ्यक्रम में पृथ्वी विज्ञान शामिल है। प्रशिक्षण के दौरान वे व्यावसायिक विकास में पाठ्यक्रम-केंद्रित विशेषज्ञता रखने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों के साथ बातचीत करेंगे। प्रो. बास्कर अनौपचारिक भूगोल, संग्रहालय क्षेत्र एवं अन्य संस्थानों में भूविज्ञान शिक्षा में काम करने वालों को भी प्रशिक्षित करेंगे। वे भारत में भूविज्ञान शिक्षा की पृष्ठभूमि और प्रगति के बारे में जानकारी देंगे। वे नए शिक्षण विचारों और दृष्टिकोणों को लागू करने बारे चर्चा करेंगे। यह कार्यक्रम अप्रैल 2019 में वियना में यूरोपियन जियो साइंस यूनियन जनरल एसेंबली के साथ जुड़ा हुआ है।

आर बास्कर।

अमर उजाला - 12/3/19

अपने आइडिया विकसित करने के लिए आयुष मंत्रालय जाएंगे मेधावी छात्र

गुजवि छात्रों के तैयार मोबाइल एप को राष्ट्रीयस्तर पर प्रथम पुरस्कार

- एप की विशेषता यह है कि क्षेत्र विशेष के अनुसार फार्म स्वत: डिजाइन कर लेगी
- आयुष मंत्रालय में शोध तथा आगे की योजना बनाने के लिए उपयोगी सिद्ध होगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई मोबाइल एप्लीकेशन को राष्ट्रीयस्तर पर प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया है। विश्वविद्यालय की टीम को यह पुरस्कार राष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन-2019 की आयुष मंत्रालय श्रेणी में मिला है।

इस अवसर पर टीम को 50000 रुपये का नगद पुरस्कार भी मिला। यह टीम अपने इस आइडिया को और आगे विकसित करने के लिए आयुष मंत्रालय में जाकर कार्य करेगी। प्रतियोगिता का आयोजन प्राणवीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, कानपुर में किया गया था। इस अवसर पर टीम के विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने टीम का स्वागत किया।

हिसार। आयुष मंत्रालय श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते गुजवि विद्यार्थी।

सृजनात्मक आइडिया से विवि गौरवान्वित

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के सृजनात्मक आइडिया ने विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों पर नए आइडियाज को और अधिक विकसित करने के लिए योजना तैयार की जाएगी। कुलपति ने टीम के प्रत्येक विद्यार्थी को 1100 रुपये नगद पुरस्कार देने की भी घोषणा की। महामारी संबंधित सर्वे एप फील्ड में सर्वे के लिए प्रयोग की जाएगी। यह एप क्षेत्र विशेष के अनुसार फार्म स्वत: डिजाइन कर लेगी। इस एप की विशेषता यह है कि यह एप बिना इंटरनेट के भी काम करेगी। फार्म में भरी गई जानकारियां इंटरनेट क्षेत्र में प्रवेश करते ही स्वत: अपलोड हो जाएंगी। इसके अतिरिक्त इसका डाटाबेस भी तैयार होगा जो आयुष मंत्रालय में शोध तथा आगे की योजना बनाने के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। यह एप महामारी फैलने पर उसे नियंत्रित करने तथा उससे संबंधित योजनाएं बनाने में अत्यंत कारगर सिद्ध होगी।

टीम में ये थे शामिल

टीम का नेतृत्व मयंक शर्मा ने किया। इसके अतिरिक्त टीम में कार्तिकेय चौधरी, कुलदीप, राणा अतुल, हितेन जैन तथा ज्योति रानी शामिल रहे। सभी विद्यार्थी कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के हैं। विश्वविद्यालय के डॉ. सुनील शर्मा ने इस दौरान टीम का मार्गदर्शन किया। टीम ने विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के सौजन्य से प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो. दीपक केडिया, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. ओपी सांगवान तथा टीम मेंटर डॉ. सुनील शर्मा रहे।

एफसी कॉलेज में मनाया महिला दिवस

हिसार। एफसी महिला महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। [illegible]

हरिभूमि - 09-03-2019

उपलब्धि • 10 से 28 अक्टूबर तक देश के 20 से अधिक राज्यों में किया गया था सर्वे

जीजेयू को इंफ्रास्ट्रक्चर व कोर्सेस के लिए अमेरिका की बर्कशायर मीडिया एलएलसी संस्थान से मिला उत्कृष्ट शिक्षा सम्मान-2018

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू को प्रतिष्ठित 'भारतीय उत्कृष्ट शिक्षा सम्मान-2018' से नवाजा गया है। यह सम्मान अमेरिका की बर्कशायर मीडिया एलएलसी संस्थान ने उत्तर भारत क्षेत्र के श्रेष्ठतम विज्ञान, अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रूप में प्रदान किया। जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुम्बई में हुए एक समारोह में यह सम्मान प्राप्त किया। यह सम्मान अमेरिका की बर्कशायर मीडिया एलएलसी संस्थान के सीईओ हेमंत कौशिक एवं एन श्रीधर, आईएएस के द्वारा दिया गया। समारोह में इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंश सैल के निदेशक प्रो. आशीष अग्रवाल उपस्थित रहे।

जीजेयू में 5 हजार से अधिक स्टूडेंट्स

जीजेयू में मौजूदा समय में पांच हजार से अधिक स्टूडेंट्स स्टडी कर रहे हैं। इस सम्मान के लिए 10 से 28 अक्टूबर तक देश के 20 से अधिक राज्यों में एक सर्वे किया गया। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, मेंटरों, अभिभावकों, पूर्व विद्यार्थियों, कोरपोरेट संस्थानों, औद्योगिकी व गैर औद्योगिकी संस्थानों की इन विश्वविद्यालयों के बारे में राय ली गई। यह सर्वे संस्थान के आधारभूत ढांचे, विद्यार्थियों के विकास, संकाय, शैक्षणिक गतिविधियां, कोर्स सामग्री, प्रबंधन, अन्य गतिविधियां, दाखिला प्रक्रिया और प्लेसमेंट आदि पर आधारित था। उन्हीं संस्थानों को संबंधित श्रेणी में सम्मान दिया गया जो ये सभी सुविधाएं देने में खरे उतरे।

मुम्बई में जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर को प्रतिष्ठित 'भारतीय उत्कृष्ट शिक्षा सम्मान-2018' से सम्मानित करते अमेरिका की बर्कशायर मीडिया एलएलसी संस्थान के सीईओ हेमंत कौशिक एवं एन. श्रीधर, आईएएस।

विवि के लिए बहुत बड़ा सम्मान : प्रो. टंकेश्वर कुमार

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जीजेयू एक ऐसी सशक्त शिक्षा व्यवस्था स्थापित करने में जुटा है, जहां ज्ञान आम आदमी तक पहुंचे। यह सम्मान विश्वविद्यालय की इसी सकारात्मक सोच व योगदान का सम्मान है। 'भारतीय उत्कृष्ट शिक्षा सम्मान' का शीर्षक ही अपने आप में विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को परिभाषित करता है। भारतीय शिक्षा उत्कृष्ट सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में एक अत्यंत विश्वसनीय व प्रशंसनीय पुरस्कार है।

दैनिक भास्कर 13/3/19

माऊंट एवरैस्ट पर गुजवि का 'लोगो' लेकर जाएगी मनीषा : प्रो. टंकेश्वर

हिसार, 13 मार्च (ब्यूरो): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जीवन में जोखिम लेना बहुत जरूरी है। जोखिम लेने की क्षमता से ही व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर रहता है। जीवन में कुछ बेहतर करना है तो जोखिम लेने से नहीं डरना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्वतारोही मनीषा विश्वविद्यालय का 'लोगो' माऊंट एवरैस्ट पर लेकर जाएगी।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार दुनिया का पहला ऐसा विश्वविद्यालय होगा, जिसका 'लोगो' माऊंट एवरैस्ट पर पहुंचेगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार बुधवार को विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में डीन एलुमनाई रिलेशंस विभाग के सौजन्य से आयोजित पर्वतारोही मनीषा के सम्मान समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। अध्यक्षता डीन एलुमनाई रिलेशंस प्रो. कुलदीप बंसल ने की। पर्वतारोही मनीषा विश्वविद्यालय की बी.टेक. बायोमेडिकल की पूर्व छात्रा है व वर्तमान में विश्वविद्यालय के दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय से एम.बी.ए. भी कर रही हैं।

पर्वतारोही मनीषा को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

मनीषा ने 26 जनवरी को दक्षिणी अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी किलीमंजारों को फतेह किया था। अब मनीषा अप्रैल माह में माउंट एवरेस्ट फतेह के लिए जाएगी।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थी अपने सपनों को पहचाने और अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़े। निश्चित तौर पर मनीषा की तरह सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने मनीषा को विश्वविद्यालय का 'लोगो' भेंट किया तथा नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रो. कुलदीप बंसल ने स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मनीषा ने न केवल प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है बल्कि विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है।

पर्वतारोही मनीषा ने प्रतिभागियों के साथ अपना अनुभव सांझा किया। उन्होंने कहा कि दिन आते नहीं बनाए जाते हैं। अगर हम संकल्प के साथ कुछ ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। नौकरी करना जरूरी नहीं है, खुद की पहचान बनाना जरूरी है। मंच संचालन जनसम्पर्क अधिकारी विजेन्द्र सिंह दहिया ने किया। इस अवसर पर प्रो. अंजन बराल, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. रवीश गर्ग, प्रो. देवेन्द्र कुमार, प्रो. आर. भास्कर तथा छात्र संघ के प्रधान गौरव कादियान भी उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी - 14/3/19

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सर्कल कबड्डी में जीजेयू की महिला और पुरुष टीम विनर

विजेता टीम को वीसी प्रो. टंकेश्वर ने किया सम्मानित, दोनों टीमों में जाट कॉलेज के खिलाड़ी ज्यादा

भास्कर न्यूज | हिसार

सिरसा के चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में 6 से 9 मार्च को हुई ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता में जीजेयू के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जीजेयू की महिला व पुरुष टीमों ने फाइनल मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किए। जीजेयू की इस जीत में जाट कॉलेज के खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही। पुरुष व महिला वर्ग में जाट कॉलेज के खिलाड़ियों की अधिकता रही। गुरुवार को विश्वविद्यालय के खिलाड़ी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मिले। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक जीतने पर सम्मानित किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के खिलाड़ी खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया हैं। इस अवसर पर जाट कॉलेज के प्राचार्य रघुबीर गोयत, सहायक खेल निदेशक मृणालिनी नेहरा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. वीके. बिश्नोई, डॉ. सतबीर सांघा, डॉ. महेश ख्यालिया, डॉ. सुरजीत कौर, डॉ. शीलू कुमारी, डॉ. नवीन, डॉ. स्वीटी, सुरेश कुमार व कुलपति के सचिव मुकेश भ्याणा उपस्थित रहे।

सर्कल कबड्डी टीम प्रतियोगिता में जीतने पर वीसी प्रो. टकेश्वर व अन्य के साथ।

महिला वर्ग में ये खिलाड़ी रहीं शामिल

महिला वर्ग में अनु रानी, सुमित कुमारी, मनीषा चौधरी, मोनिका, प्रियंका, सीमा देवी, रितु, प्रियंका, सोनिया, अनीषा सिवाच, सीमा देवी, कुसुम, निशु व सुष्मिता ने भाग लिया। प्रतियोगिता में डॉ. महेश ख्यालिया, डॉ. जगबीर बूरा व स्वीटी ने टीम मैनेजर तथा चरणसिंह व शीला ने कोच की भूमिका निभाई तथा प्रतियोगिता के लिए टीमों का मार्गदर्शन किया।

पुरुष वर्ग की टीम ने 42-28 के अंतर से हासिल की जीत

खेल निदेशक डॉ. एसबी लुथरा ने बताया कि फाइनल मुकाबले में जीजेयू की पुरुष टीम ने पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला को 42-28 के बड़े अंतर से हराया। महिला महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में जीजेयू की टीम ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद की टीम को कड़े मुकाबले में 32-28 से पराजित किया।

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की टीम में ये खिलाड़ी रहे

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की पुरुष वर्ग की टीम में प्रवीन कुमार, अंकित कुमार, सोनू, जितेन्द्र, जितेन्द्र, मनीश, मंदीप सिंह, विक्रम सिंह, विक्रम सिंह, दीपक, मनीष मान, यशपाल सिंह, अमित सिवाच, सागर सिवाच व सोनू शामिल रहे।

दैनिक भास्कर- 15/3/19

सुविधा • टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्रटेगेना और जीजेयू के बीच हुआ एमओयू

जीजेयू के स्टूडेंट्स स्पेन में कर सकेंगे रिसर्च

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के स्टूडेंट्स एमबीए, इंजीनियरिंग, बायो टेक्नोलॉजी सहित अन्य विषयों में स्पेन में रिसर्च कर सकेंगे। वहीं स्पेन के स्टूडेंट्स इन्हीं विषयों में जीजेयू में रिसर्च कर सकेंगे। स्पेन के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग पर हस्ताक्षर किए गए। जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्रेटेगेना, स्पेन के निदेशक ने शुक्रवार को मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग पर हस्ताक्षर किए।

टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्रटेगेना, इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट बॉयोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मारकोस इजी कोरटिन्स व जीजेयू के बायो एंड नैनो विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद छोकर ने एमओयू पर बतौर गवाह हस्ताक्षर किए। इस एमओयू से जीजेयू व स्पेन यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को फायदा होगा और रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एमओयू एमबीए, इंजीनियरिंग व बायो टेक्नोलॉजी विषयों को और अधिक बेहतर बनाने के लिए किया गया है। इससे दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं वैज्ञानिकों को फायदा होगा। दोनों संस्थान एक दूसरे संस्थान के अनुसंधान फेलो और प्रोजेक्ट फेलो का पंजीकरण कर सकेंगे। शैक्षणिक, तकनीकी व तकनीकी प्रगति के लिए प्रयोगशाला, आधारभूत सुविधाओं को सांझा कर सकेंगे। स्पेन में जाने वाले या स्पेन से आने वाले शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को दोनों विश्वविद्यालय में रहने, खाने-पीने व अन्य मूलभूत सुविधाएं फ्री उपलब्ध करवाएंगे।

इस एमओयू से दोनों संस्थान अनुसंधान परियोजनाओं, सेमिनारों और कार्यशालाओं में आपसी सह-संचालन के लिए सहमत होंगे। इस एमओयू से दोनों संस्थानों को लाभ होगा।

जीजेय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्रटेगेना, इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट बॉयोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मारकोस एमओयू साइन करने के दौरान।

स्पेन के साइंटिस्ट स्टूडेंट्स को देंगे ऑन लाइन ट्रेनिंग

टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्रटेगेना, इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मारकोस इजी कोरटिन्स ने बताया कि गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'ज्ञान' कार्यक्रम के विषय 'जिनोम मैनीपुलेशन, एडिटिंग एंड इंटरफ्रेंस बाय वीआईजीएस, सीआरआईएसपीआर एंड आरएनएआई' पर दस दिवसीय कार्यक्रम में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान दिया गया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा विशेष रुचि दिखाई गई। इस एमओयू के बाद क्रटेगेना विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा जीजेयू के बायो टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शोधार्थियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा। विद्यार्थी बायो तकनीक की नई-नई तकनीकों से रूबरू होंगे। बायो एंड नैनो विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद छोकर ने बताया कि इस एमओयू से बायो टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों को अपने एरिया में शोध कार्य को और श्रेष्ठ बनाने में सहायता मिलेगी। विद्यार्थी बायोटेक्नोलॉजी की नई तकनीक से परिचित होंगे व अपने शोध में भी उसको लागू करेंगे।

दैनिक भास्कर - 16-03-2019

जीजेयू साल में दो बार शुरू करेगी पीएचडी में दाखिला

- प्रोफेसर बनने का सपना संजोये व नेट-जेआरएफ करने वाले स्टूडेंट्स को मिलेगा लाभ

सुभाष चंद्र | हिसार

प्रोफेसर बनने का सपना संजोये नेट-जेआरएफ करने वाले स्टूडेंट्स को अब पीएचडी में दाखिले के लिए अधिक मौके मिल सकेंगे। दरअसल, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अब पीएचडी में साल में दो बार दाखिले किए जाएंगे। यह दो बार होने वाले नेट एग्जाम की तर्ज पर किया जाएगा।

खास बात यह है कि जीजेयू ऐसा करने वाली हरियाणा की पहली यूनिवर्सिटी होगी। जीजेयू प्रशासन ने नए सेशन से पीएचडी में दाखिले के लिए प्रोसेस शुरू किया है। जीजेयू प्रशासन सभी डिपार्टमेंट से पीएचडी के लिए अवेलेबल सीटों की जानकारी जुटाएगा। पीएचडी में दाखिले के लिए शेड्यूल सहित अन्य जानकारियों का फैसला विवि की डीन कमेटी व एकेडमिक कांउसिल की बैठक में लिया जाएगा। दाखिले एंट्रेंस एग्जाम व नेट-जेआरएफ के आधार पर किए जाएंगे। जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इससे विभिन्न सब्जेक्ट में रिसर्च के क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

रिसर्च फील्ड में आएगी क्रांति : साल में दो बार पीएचडी कोर्सेस में दाखिले मिलने से पोस्ट ग्रेजुएशन करने वाले स्टूडेंट्स को विवि के इस फैसले का फायदा मिल सकेगा। इससे स्टूडेंट्स के लिए टीचिंग लाइन में जाने के अधिक अवसर मिलेंगे और स्टूडेंट्स रिजल्ट आने के तुरंत बाद विवि में ही पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकेंगे।

जनवरी में इन डिपार्टमेंट में पीएचडी में हुए थे दाखिले : जीजेयू के 9 डिपार्टमेंट में पीएचडी के 66 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा करवाई गई थी। पीएचडी की प्रवेश परीक्षा अलग-अलग डिपार्टमेंट की बजाए सेंट्रल यानि एक ही स्थान पर आयोजित की गई थी और परीक्षा दो शिफ्टों में आयोजित करवाई गई थी।

इन विषयों में करवाई जा रही पीएचडी : ट्रिओलोजी, प्रोडक्शन, थर्मल इंजीनियरिंग, ग्रुप टेक्नोलॉजी, ऑप्टीमाइजेशन, जीए, एसए, साग, ग्रुप टेक्नोलॉजी, फेसिलिटी लेआउट, सेल्यूलर मेनुफेक्चरिंग, सिस्टम डिजाइन, एडवांस्ड मेनुफेक्चरिंग टेक्नोलॉजी, प्रिंट मीडिया, न्यू मीडिया, सोशल मीडिया, कम्युनिकेशन थ्योरीज, पॉल्यूशन मैनेजमेंट सहित 42 विषय है जिनमें पीएचडी में दाखिले ले सकते हैं।

यूजी व पीजी के अंकों के अनुसार ही होंगे दाखिले

पीजी कोर्सेस में कम अंक लेने वाले स्टूडेंट्स भी पीएचडी में दाखिला ले पाएंगे। जीजेयू ने यह फैसला हाल ही में लिया था। पीएचडी में एकेडमिक मैरिट के आधार पर दाखिला होता था। इसमें 75 प्रतिशत मार्क्स पीजी कोर्स व 25 प्रतिशत मार्क्स यूजी कोर्स के आधार पर दिए जाते थे। मगर विवि ने हाल ही में एंट्रेस एग्जाम के 50 प्रतिशत, पीजी कोर्सेस के 30 प्रतिशत व यूजी कोर्सेस के 20 प्रतिशत अंकों को जोड़कर मैरिट बनाकर दाखिले दिए जाएंगे।

इन विभागों में हुए दाखिले

- मेकेनिकल इंजीनियरिंग
- कम्युनिकेशन मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी
- इनावयरमेंटल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग
- बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी
- फार्मास्यूटिकल साइंसेज
- फिजिक्स
- अप्लाइड साइकोलॉजी
- फिजियोथेरेपी
- फूड टेक्नोलॉजी

दृष्टि भास्कर - 23/3/19

प्रो. अंजन कुमार बराल को मिला एजुकेशन अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस-2018

पांच बजे न्यूज़

हिसार। गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रिंटिंग टैक्नोलोजी विभाग के प्रो. अंजन कुमार बराल को अमेरिका के मिनियापोलीस में एजुकेशन अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस-2018 से सम्मानित किया गया। यह सम्मानित पुरस्कार पाने वाले प्रो. अंजन कुमार बराल भारत के पहले प्रिंटिंग क्षेत्र के प्रोफैसर हैं। यह पुरस्कार प्रो. बराल को अमेरिका प्रिंटिंग उद्योग के अध्यक्ष माइकल एफ माकिन द्वारा दिया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने प्रो. बराल को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रो. बराल ने विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है।

प्रो. बराल को यह पुरस्कार एडवांसिंग ग्राफिक कम्युनिकेशन क्षेत्र में अपनी विशेष सेवाएं देने तथा श्रेष्ठ शैक्षणिक पहचान रखने के सम्मान में दिया गया। प्रो. बराल को अखिल भारतीय मास्टर प्रिंटर्स फैडरेशन के पूर्व अध्यक्ष कमल चोपड़ा द्वारा नामांकित किया गया था। डा. बराल प्रिंटिंग शिक्षा के क्षेत्र में भारत में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने देशभर के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में प्रिंट कुरिकुलम्स तथा सिलेबस निर्धारित करने में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने 2015 में अखिल भारतीय मास्टर प्रिंटर्स के सहयोग से 21वीं सदी की प्रिंटिंग विषय पर अब तक की पहली अंतरराष्ट्रीय रिसर्च कांफ्रैंस भी की थी। प्रो. बराल ने गुजविप्रौवि हिसार के प्रिंटिंग विभाग के वरिष्ठ प्रोफैसर होने के नाते विभाग में रिको के सहयोग से डिजीटल प्रिंट एप्लीकेशन प्रयोगशाला की स्थापना भी की है। यह भारत में अपनी तरह की पहली प्रयोगशाला है। प्रो. बराल को 2016-17 में एजुकेशन एक्सिलेंस तथा प्रिंट रतन अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। डा. बराल का भारत के ग्राफिक आर्ट उद्योग में शिक्षण, शोध व विषय विशेषज्ञ के रूप में तीन दशकों से भी अधिक का अनुभव है। वर्तमान में उनके मार्गदर्शन में आठ शोधार्थी शोध कार्य कर रहे हैं। वे दो पुस्तकें लिख चुके हैं तथा उनके 70 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शोध जरनल में प्रकाशित हो चुके हैं। वे प्रिंटिंग क्षेत्र से जुड़ी भारत की कई संस्थाओं के सम्मानित सदस्य हैं तथा इस क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं में अपनी भागीदारी रखते हैं तथा प्रिंट ओलम्पियाड प्रतियोगिताओं का संचालन करते हैं।

पुनर्मूल्यांकन का परिणाम भी विद्यार्थी को ऑनलाइन प्राप्त होगा, नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

र्मूल्यांकन फार्म के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर किया लांच

वरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को पुनर्मूल्यांकन फार्म जमा करवाने के लिए विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। विश्वविद्यालय ने एक ऑनलाइन सॉफ्टवेयर लांच किया है, जिसके तहत विद्यार्थी अपना पुनर्मूल्यांकन फार्म ऑनलाइन जमा करवा सकता हैं। पुनर्मूल्यांकन का परिणाम भी विद्यार्थी को ऑनलाइन प्राप्त होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के आइटी सेल में ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के विभागों व संबद्ध महाविद्यालयों से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को ऑनलाइन पुनर्मूल्यांकन फार्म भरने के लिए संबंधित रोल नंबर, मोबाइल नंबर व ईमेल आईडी का होना जरूरी है।

ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व मौजूद अन्य लोग।

मोबाइल नंबर डालने के बाद मिलेगा ओटीपी: विद्यार्थियों द्वारा अपना रोल नंबर व मोबाइल नंबर डालने पर विद्यार्थी के मोबाइल पर एक ओटीपी प्राप्त होगा। प्राप्त ओटीपी डालने के बाद विद्यार्थी की सम्बन्धित कक्षा का परीक्षा परिणाम दर्शाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके बाद विद्यार्थी जिस भी विषय में अपना पुनर्मूल्यांकन करवाना चाहता है उसे चिन्हित करेगा। विद्यार्थी फार्म की फीस भी डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड व नेट बैंकिंग के माध्यम से जमा करवा सकता है।

आइटी सेल ने बनाया सॉफ्टवेयर

आइटी व पुनर्मूल्यांकन सेल की उप-कुलसचिव मंजु बाला ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर विश्वविद्यालय के आइटी सेल की तरफ से तैयार किया गया है। इससे पुनर्मूल्यांकन करवाने वाले विद्यार्थियों को आसानी होगी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन पुनर्मूल्यांकन फार्म भरने के लिए नियम व शर्तें पहले वाली ही लागू रहेंगी। विद्यार्थी परीक्षा परिणाम की तिथि से 15 दिन के अन्दर-अन्दर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आगामी 15 दिन में लेट फीस के साथ अप्लाई कर सकते हैं। इस अवसर पर एससी गोयत, डा. विनोद, मुकेश अरोड़ा, सुरेन्द्र सिंह, सतबीर सिंह दलाल, रामनिवास वर्मा व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण - 31-3-2019

पहल ये कोर्स शुरू करने वाली हरियाणा की पहली यूनिवर्सिटी

गुजवि डेटा साइंस और अप्लाइड साइकोलॉजी में कराएगा बीएससी

संदीप बिश्नोई ∞ हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय प्रदेश में सार्वजनिक क्षेत्र का पहला विश्वविद्यालय होगा जो डेटा साइंस और साइकोलॉजी में बीएससी करवाएगा। विश्वविद्यालय में दोनों कोर्स इसी सत्र से शुरू होंगे। बीएससी इन अप्लाइड साइकोलॉजी कोर्स के लिए सिलेबस भी तैयार कर लिया गया है। वहीं, बीएससी इन कंप्यूटर साइंस (डेटा साइंस) कोर्स के लिए आरंभिक प्रक्रिया जारी है।

संभवत 28 मार्च को होने वाली अकेडमिक काउंसिल की बैठक में दोनों कोर्सों को शुरू करने पर मुहर लगेगी। आमतौर पर बीटेक और एमटेक के लिए विख्यात गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में दो वर्षों में बीएससी के पांच कोर्स शुरू हो चुके हैं। इन दो नए कोर्सों के आने के बाद विश्वविद्यालय में बीएससी कोर्सों की संख्या सात हो जाएगी।

यह होता है डेटा साइंस कोर्स

कम्प्यूटर साइंस के कोर्स में डेटा साइंस की विशेषज्ञता होती है। डेटा साइंस एक ऐसा विषय है, जिसमें विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए डेटा स्रोतों से सार्थक जानकारी की पहचान कर डेटा का निष्कर्ष निकाला जाता है। देश और दुनिया में प्रत्येक मिनट में भारी मात्रा में डेटा निकलता है। इस डेटा की फिक्ट के साथ गहन स्टडी करने की आवश्यकता है, ताकि जिस बिजनेस के लिए डेटा का निष्कर्ष निकाला जाए वो बिजनेस वालियों से अलग दिखे। उदाहरण के तौर पर आज हर संस्थान प्रोफिट के पीछे भागता है।

यह है अप्लाइड साइकोलॉजी

विश्वविद्यालय में पहले से एमएससी अप्लाइड साइकोलॉजी का कोर्स चला रहा था। अब बीएससी साइकोलॉजी शुरू किया गया है। इस कोर्स में भावनाओं, व्यवहार, व्यक्तित्व विकास, विश्वास सहित कई विषय शामिल होते हैं। इसके पाठ्यक्रम में मानव संबंधों और संज्ञानात्मक कार्य पर विभिन्न अध्ययन और विश्लेषण कर व्याख्या की जाती है। सभी कार्यक्रमों में केस अध्ययन, प्रयोगशाला प्रयोग, अनुसंधान परियोजनाएं और इंटर्नशिप की आवश्यकता है।

> हम बीएससी साइकोलॉजी और बीएससी कंप्यूटर डेटा साइंस कोर्स शुरू कर रहे हैं। कोशिश होगी कि दोनों कोर्स इसी सत्र में शुरू हो जाए। इन कोर्स के शुरू होने के बाद विश्वविद्यालय में बीएससी के 7 कोर्स हो जाएंगे।
>
> **प्रो. टंकेश्वर कुमार**, कुलपति, गुजवि।

दैनिक जागरण - 19/3/19